ना छल से ना बल से | By Sunil Sarvottam

ना छल से आएगा ना बल से आएगा
तेरे भाग्य में जो भी होगा वो खुद चल के आएगा

जल में तू थल में तू तू ही निराकार
जल में तू थल में तू तू ही निराकार

छोड़ के अपनी सारी चिंता भाग्य विधाता पे
रख ले भरोसा उस दुनिया के दाता पे
भाग्य विधाता पे .....
वो आज से आएगा या कल से आएगा
तेरे भाग्य में जो भी होगा वो खुद चल के आएगा

जान बूझ के कभी किसी का दिल ना दुखाना तू
दीन दुखी लोगो के लिए हाथ बढ़ाना तू
मदद लगाना तू.....
किस रूप में क्या जाने वो ढल के आएगा
तेरे भाग्य में जो भी होगा वो खुद चल के आएगा

जल में तू थल में तू तू ही निराकार
जल में तू थल में तू तू ही निराकार

मेहनत करने वालो का तो साथ ईश्वर देता है
गुणियों ने कहा ये सुनील भी कहता है
साँची साँची कहता है .....
अम्बर से आएगा या थल से आएगा
तेरे भाग्य में जो भी होगा वो खुद चल के आएगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%9b%e0%a4%b2-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%b2-%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-sunil-sarvottam/